

---

# Shri Shripadaraja Panchakam

---

## श्रीश्रीपादराजपञ्चकम्०

---

### Document Information

---

Text title : shrIpAdarAjapanchakam  
File name : shrIpAdarAjapanchakam.itx  
Category : deities\_misc, gurudev, panchaka  
Location : doc\_deities\_misc  
Author : Vyasaraja  
Transliterated by : Krishnananda Achar  
Proofread by : Krishnananda Achar  
Description/comments : PanchayatistutiH  
Acknowledge-Permission: C Narayanarao  
Latest update : June 15, 2020  
Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 15, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीश्रीपादराजपञ्चकम्०



वन्दे श्रीपादराजं रुचितमहृदयं पूजितश्रीसहायं  
निर्धूताशेषहेयं निभृतशुभचयं भूमिदेवाभिगेयम् ।  
विप्रेभ्यो दत्तदेयं निजजनसदयं खण्डिताशेषमायं  
निष्ठप्तस्वर्णकायं बहुगुणनिलयं वादिसङ्घैरजेयम् ॥ १ ॥


क्षुभ्यद्वादिकरीन्द्रवादपटलीकुम्भच्छटाभेदन-  
प्रौढप्राभवतर्कसङ्घनिकरश्रेणीविलासोज्वलः ।  
गोपीनाथमहीन्द्रशेखरलसत्पादस्थलावासकृत्  
पायान्मां भवघोरकुञ्जरभयाच्छ्रीपादराट् केसरी ॥ २ ॥

विभ्राणं क्षौमवासः करधृतवलयं हारकेयूरकाञ्ची-  
ग्रैवेयस्वर्णमालामणिगणखचितानेकभूषाप्रकर्षम् ।  
भुञ्जानं षष्टिशकान् दहयगजशिबिकानर्घ्यशय्यारथाढ्यम्  
वन्दे श्रीपादराजं त्रि भुवनविदितं घोरदारिद्र्यशान्त्यै ॥ ३ ॥


यद्वृन्दावनसेवया सुविमलां विद्यां पशून् सन्ततिं  
ध्यानात् ज्ञानमनल्पकीर्तिनिवहं प्राप्नोति शीघ्रं जनः ।  
तं वन्दे नरसिंहतीर्थनिलयं श्रीव्यासराट् पूजितं  
ध्यायन्तं मनसा नृसिंहचरणं श्रीपादराजं गुरुम् ॥ ४ ॥

काशीकेदारमायाकरिगिरिमधुराद्वारकावेङ्कटाद्रि-  
श्रीमुष्णक्षेत्रपूर्वत्रिभुवनविलसत्पुण्यभूमीनिवासः ।  
गुल्मादिव्याधिहर्ता गुरुगुणनिलयो भूतभेतालभेदी  
भूयाच्छ्रीपादराजो निखिलशुभततिप्राप्तये सन्ततं नः ॥ ५ ॥

इति श्रीव्यासराजयतिकृत श्रीपादराजपञ्चकं सम्पूर्णम् ।

——  
*Shri Shripadaraja Panchakam*

pdf was typeset on June 15, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

